



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 232]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अक्टूबर 11, 1991/अश्विन 19, 1913

No. 232] NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 11, 1991/ASVINA 19, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय  
(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर, 1991

संख्या एफ. 4 (5)-डब्ल्यू. एण्ड. एम./91:—10.75 प्रतिशत ऋण, 1996, 11.00 प्रतिशत ऋण, 2001, 11.50 प्रतिशत ऋण, 2006 (दूसरी श्रृंखला) और 12.00 प्रतिशत ऋण, 2011 के लिए कुल 1200 करोड़ रुपयों या यथासंभव उसके निकट की कुल राशि के वास्ते 21 अक्टूबर, 1991 को बकिंग समय की समाप्ति तक अभिदान नकदी और अथवा भारत सरकार की 6-1/4 प्रतिशत ऋण, 1991 की प्रतिभूतियों में स्वीकार किये जाएंगे। परक्राम्य लिखित अधिनियम, 1881 के अधीन किसी राज्य सरकार द्वारा 21 अक्टूबर, 1991 को छुट्टी घोषित किये जाने पर अगले कार्य दिन बकिंग समय की समाप्ति तक उस राज्य

के संबंधित आदाता कार्यालयों में अभिदान स्वीकार किये जाएंगे।

2. यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अभिदान राशि 1200 करोड़ रुपयों से अधिक हो तो अभिदाताओं को आनुपातिक आधार पर आंशिक आबंटन किया जाएगा। यदि आंशिक आबंटन किया जाता है तो आंशिक आबंटन के बाद यथा-शीघ्र अधिक अभिदान की राशि लौटा दी जाएगी। इस प्रकार लौटायी गयी राशियों पर कोई ब्याज अदा नहीं किया जाएगा।

3. 100.00 रुपए प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 21 अक्टूबर, 1996 को सममूल्य पर प्रतिदेय 10.75 प्रतिशत ऋण, 1996

(1) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 21 अक्टूबर, 1996 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।

(2) निर्गम मूल्य—प्रत्येक 1,000.00 रुपए (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य 1,000.00 रुपए होगा।

(3) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 21 अक्टूबर, 1991 से वार्षिक 10.75 प्रतिशत होगी। 21 अप्रैल और 21 अक्टूबर को ब्याज छमाही अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिए गए अनुच्छेद 11 और 12 के उपबन्धों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा।

4. 100.00 रुपये प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 21 अक्टूबर, 2001 को सममूल्य पर देय 11.00 प्रतिशत ऋण, 2001

(1) वापसी अदायगी की तारीख : ऋण 21 अक्टूबर, 2001 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।

(2) निर्गम मूल्य : प्रत्येक 1,000.00 रुपये (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य 1,000.00 रुपये होगा।

(3) ब्याज : इस ऋण की ब्याज दर 21 अक्टूबर, 1991 से वार्षिक 11.00 प्रतिशत होगी। 21 अप्रैल और 21 अक्टूबर को ब्याज छमाही अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये जाने वाले ब्याज पर नीचे दिए हुए अनुच्छेद 11 और 12 के उपबन्धों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत लगेगा।

5. 100.00 रुपये प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 21 अक्टूबर, 2006 को सममूल्य पर प्रतिदेय 11.50 प्रतिशत ऋण, 2006 (दूसरी शृंखला)

(1) वापसी अदायगी की तारीख : ऋण 21 अक्टूबर 2006 को सममूल्य पर वापस अदा किया जायेगा।

(2) निर्गम मूल्य : प्रत्येक 1,000.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य 1,000.00 रुपये होगा।

(3) ब्याज : इस ऋण की ब्याज दर 21 अक्टूबर, 1991 से वार्षिक 11.50 होगी। 21 अप्रैल और 21 अक्टूबर को ब्याज छमाही अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 11 और 12 के उपबन्धों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा।

6. 100.00 रुपये प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 21 अक्टूबर, 2011 को सममूल्य पर प्रतिदेय 12.00 प्रतिशत ऋण, 2011

(1) वापसी अदायगी की तारीख : ऋण 21 अक्टूबर, 2011 को सममूल्य पर वापस अदा किया जायेगा।

(2) निर्गम मूल्य : प्रत्येक 1,000.00 रुपये (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य 1,000.00 रुपये होगा।

(3) ब्याज : इस ऋण की ब्याज दर 21 अक्टूबर 1991 से वार्षिक 12.00 प्रतिशत होगी। 21 अप्रैल और 21 अक्टूबर को ब्याज छमाही अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 11 और 12 के उपबन्धों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा।

7. उपर्युक्त ऋणों के मामले में ब्याज की सकल राशि निकटतम पूर्ण रुपये में पूर्णांकित करने के बाद अदा की जायेगी। इस प्रयोजन के लिये पचास पैसे से कम के ब्याज का हिसाब में नहीं लिया जायेगा और पचास या उससे अधिक पैसे को अगले रुपये में पूर्णांकित किया जायेगा।

#### रूपान्तरण की शर्तें

8. 6-1/4 प्रतिशत ऋण, 1991 की प्रतिभूतियाँ नये ऋणों में सममूल्यों पर रूपान्तरण के लिये स्वीकार की जायेंगी। रूपान्तरण के लिये प्रस्तुत की गई 6-1/4 प्रतिशत ऋण, 1991 की प्रतिभूतियों पर ब्याज तारीख 20 अक्टूबर, 1991 तक को शामिल करते हुए नई प्रतिभूतियाँ जारी करने के समय 6-1/4 प्रतिशत की दर से वार्षिक अदा किया जायेगा।

#### पूरक व्यवस्थाएं

9. आवेदन-पत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जायेंगे :

(क) अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बम्बई (फोर्ट और भायखला), कलकत्ता, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और तिरुवनन्तपुरम में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय और;

(ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में जिला मुख्यालयों में भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखाएं।

10. ब्याज अदा करने का स्थान : इन ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक के अहमदाबाद बंगलूर, भुवनेश्वर, बम्बई, कलकत्ता, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और तिरुवनन्तपुरम में स्थित लोक ऋण कार्यालयों तथा भारत में जम्मू और कश्मीर तथा सिक्किम राज्यों को छोड़कर अन्यत्र किसी राजकोष या उप-राजकोष में ब्याज अदा किया जायेगा।

11. ब्याज अदा करते समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) काटे गये कर की वापसी अदायगी उन ऋण-धारकों को प्राप्त होगी जिन पर कर लागू नहीं है या जिन पर ऐसी दरों पर कर लागू होता है जो काटे गये कर की दर से कम हो।

जिम धारक पर कर लागू नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर लागू है वह जिले के आयकर अधिकारी को आवेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौती किये बिना या धारक पर लागू होने वाली न्यूनतम दर पर कर की कटौती करके उसे ब्याज अदा किया जाए।

भारत का निवासी ऐसा व्यक्ति जिसकी कुल आय छूट की सीमा से अधिक नहीं है, ब्याज अदा करने के लिये जिम्मेदार व्यक्ति को निर्धारित फार्म में दो प्रतियों में घोषणा-पत्र भेजने पर कर की कटौती किये बिना ब्याज की राशि प्राप्त कर सकता है।

12. ऋणों पर ब्याज की आयकर अधिनियम की धारा 80ठ के अधीन छूट प्राप्त होगी।

13. अब जारी किये जाने वाले ऋणों में किये जाने वाले निवेशों के मूल्य को संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 के अन्तर्गत विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

14. प्रतिभूतियां केवल स्टाक प्रमाण-पत्रों के रूप में जारी की जायेंगी।

15. ऋणों के लिये आवेदन-पत्र-ऋणों के लिये आवेदन पत्र, 1,000 रुपये या उसके गृणजों के लिये होने चाहियें।

16. आवेदन-पत्र इसके साथ संलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिये जिसमें राशि, आवेदक का

पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहां आवेदक ब्याज की अदायगी की अपेक्षा करता है।

17. आवेदन-पत्रों के साथ आवश्यक राशि नकदी या चेक और/अथवा 6-1/4 प्रतिशत ऋण, 1991 की प्रतिभूतियां, जिन्हें रूपान्तरण के लिये प्रस्तुत किया जा रहा हो, के रूप में प्रेषित की जानी चाहिये। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने वाले चेक संबंधित बैंक के नाम ग्राहकित किये जाने चाहिये। रूपान्तरण के लिये प्रस्तुत प्रतिभूतियां धारकों द्वारा सरकार को अंतरित की जानी चाहिये :—

(1) स्टाक-पत्र के मामले में, अंतरण-विलेख फार्म में पत्र के पीछे साक्षी के सामने हस्ताक्षर।

(2) प्रोमिसरी नोटों के मामले में उन्हें नीचे बताए तरीके से पृष्ठांकित करना :—

“भारत के राष्ट्रपति को अदा”

18. स्वीकृत-बैंकों को उनके द्वारा अपने ग्राहकों की ओर से प्रस्तुत ऋण आवेदन-पत्रों पर किये गये आवंटनों पर तथा दलालों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनकी मुहरयुक्त ऋण आवेदन-पत्रों पर किये गये आवंटनों पर प्रति 100.00 रुपये (सांकेतिक) 6 पैसे की दर पर दलाली अदा की जायेगी। बैंक-वाणिज्य और सहकारी बैंक उनके अपने अभिदानों के लिये दलाली की अदायगी के पात्र नहीं होंगे।

राष्ट्रपति के आदेश से,  
श्रीमती जानकी कठपालिया, अपर सचिव (बजट)

दलाल की मुहर और प्रता

मैं/हम\*

(पूरा/पूरे नाम)

इसके साथ

रुपए— (— रुपए) के लिए नकदी\*

चैक

प्रस्तुत करता हूँ/करते हैं और यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें\* स्टाक प्रमाण-पत्र\* मेरे/हमारे\* एस. जी. एल. खाते में जमा के रूप में रुपए— के सांकेतिक मूल्य की 10.75 प्रतिशत ऋण, 1996\*/11.00 प्रतिशत ऋण, 2001\*/11.50 प्रतिशत ऋण, 2006 (दूसरी श्रृंखला) 12.00 प्रतिशत ऋण 2011 की प्रतिभूतियां जारी की जाएं।

2. मैं/हम\* चाहता हूँ/चाहते हैं कि उनका ब्याज—में श्रवा किया जाए।

विशेष इस खाने में आवेदक कुछ न लिखें।  
टिप्पणी : प्रविष्टियां प्राप्त कर्ता कार्यालय द्वारा भरी जाएंगी।

आवेदन पत्र संख्या	आवेदक	दिनांक	हस्ताक्षर
“दलाली नहीं” मुहर			पूरा/पूरे
नकदी प्राप्त होने की तारीख			नाम
बैंक धसूल होने की तारीख			
विशेष चालू खाते में जमा करने की तारीख			
जांच की गई			पता
नकदी आवेदन-पत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया			
दलाली रजिस्टर में दर्ज किया गया			
मांग पत्र संख्या			
प्रतिभूति संख्या			
कांड संख्या			
बाऊबर पारित करने की तारीख			

दिनांक अक्टूबर, 1991

- टिप्पणियां : 1. यदि प्रतिभूतियां/प्रोमिसरी नोटों के रूप में हैं तो रूपान्तरण के लिए प्रस्तुत की गई प्रतिभूतियां आवेदक/आवेदकों के हस्ताक्षर के ऊपर “भारत के राष्ट्रपति को श्रदा” शब्दों सहित पृष्ठांकित की जानी चाहिए और यदि ये प्रतिभूतियां स्टॉक-पत्रों के रूप में हैं तो किसी एक साक्षी के सामने विलेख के पीछे उनके/उनके द्वारा हस्ताक्षर होने चाहिए।
2. प्रत्येक ऋण और आपेक्षित नए ऋण के अभिदान के प्रत्येक फार्म के लिए अलग-अलग आवेदन किया जाए।
3. यदि आवेदक का हस्ताक्षर अंगुठे के निशान के रूप में हो तो व्यक्ति उसके साक्षी हों। साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, व्यवसाय और पते दिए जाएं।
4. यदि आवेदन, किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो निवेश आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे लोक ऋण कार्यालय में पहले ही पंजीकृत न किए गए हों तो संलग्न किए जाएं :
- (i) निगमन/पंजीकरण का मूल प्रमाण-पत्र या कार्यालय के मुद्रांक के अधीन जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी सत्य प्रतिलिपि;
  - (ii) कंपनी/निकाय के बहिर्नियमों और अंतर्नियमों या विभागों और विनियमों/उप-नियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियां;
  - (iii) कंपनी/निकाय की ओर से सरकारी प्रतिभूतियों का लेनदेन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति/व्यक्तियों के पक्ष में किए गए संकल्प की प्रमाणित प्रतिलिपि, उसके/उनके विधिवत सत्यापित नमूना हस्ताक्षर/हस्ताक्षरों के साथ।
5. आवेदकों को, उन्हें जारी किए जाने वाले स्टॉक प्रमाण-पत्र/पत्रों पर छमाही ब्याज के प्रेषण के लिए प्रादेश फार्म (लोक ऋण कार्यालय में उपलब्ध) भी भरना चाहिए।

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 11th October, 1991

No. F. 4(5)W&M/91.—Subscriptions for the issues of 10.75 per cent. Loan, 1996, 11.00 per cent. Loan, 2001, 11.50 per cent. Loan, 2006 (second series) and 12.00 per cent. Loan, 2011 for an aggregate amount of Rs. 1200 crores or as near thereto as possible will be received in the form of cash and/or securities of Government of India 6 1/4 per cent. Loan, 1991 on the 21st October 1991 upto the close of Banking hours. In the event of 21st October 1991 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State upto the close of Banking hours on the next working day.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 1200 crores, partial allotment will be made to the subscribers in cash on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 10.75 per cent. Loan, 1996 issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 21st October, 1996.

- (i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 21st October, 1996.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 1000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).
- (iii) Interest.—The Loan will bear interests of the rate of 10.75 per cent. per annum from 21st October 1991. Interest will be paid half-yearly on the 21st April and 21st October. The interest paid will subject to the provisions of paragraphs 11 and 12 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

4. 11.00 per cent. Loan, 2001 issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 21st October 2001.

- (i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 21st October 2001.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).

- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 11.00 per cent. per annum from 21st October 1991. Interest will be paid half-yearly on the 21st April and 21st October. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 11 and 12 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

5. 11.50 per cent. Loan, 2006 (Second Series) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 21st October 2006.

- (i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 21st October 2006.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 11.50 per cent. per annum from 21st October 1991. Interest will be paid half-yearly on the 21st April and 21st October. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 11 and 12 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

6. 12.00 per cent. Loan, 2011 issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 21st October 2011.

- (i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 21st October 2011.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 12.00 per cent. per annum from 21st October 1991. Interest will be paid half-yearly on 21st April and 21st October. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 11 and 12 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

7. The gross amount of interest in respect of above loans will be paid after rounding off to the nearest whole rupee. For this purpose, amount of interest less than paise fifty will be ignored and paise fifty or more will be rounded off to the next rupee.

## CONVERSION TERMS

8. The securities of 6 1/4 per cent. Loan, 1991 will be accepted for conversion into the new loans at par. Interest on the securities of 6 1/4 per cent. Loan, 1991 tendered for conversion will be paid upto

and inclusive of 20th October 1991 at the rate of 6 1/4 per cent per annum at the time of issue of new securities.

#### SUPPLEMENTARY PROVISIONS

##### 9. Applications will be received at :—

(a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay (Fort & Byculla), Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Thiruvananthapuram; and

(b) Main Branches of the State Bank of India at District Headquarters in India except at (a) above.

10. Place of Payment of Interest—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Thiruvananthapuram and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu & Kashmir and Sikkim.

11. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Act) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on application, a certificate from the Income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain, on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of tax.

12. Interest on the Loans will be eligible for deduction under Section of 80 L of the Income-Tax Act.

13. The value of the investment in the Loans now issued will be eligible for exemption under Section 5 of the Wealth Tax Act subject to the conditions specified therein.

14. The securities will be issued in the form of stock only.

15. Applications for the Loans—Applications for the Loans must be for Rs. 1,000 or a multiple of that sum.

16. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

17. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque and/or securities of 6-1/4 per cent Loan, 1991 which are being offered for conversion. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned. The securities tendered for conversion must be transferred by the holder to the Government :—

(i) in the case of Stock Certificates, by signing the form of transfer deed on the reverse of the certificate before a witness.

(ii) in the case of Promissory Notes, by endorsing them in the manner indicated below :—

‘Pay to the President of India’

18. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks on allotments in respect of applications for the loans tendered by them on behalf of their clients and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp. Banks—Commercial and Co-operative banks—will not be eligible for payment of brokerage in respect of their own subscriptions.

By order of the President,  
SMT. JANAKI KATHPALIA, Addl. Secy. (Budget)

## BROKER'S STAMP WITH ADDRESS

## FORM OF APPLICATION

I/We\*.....

[Full Name(s) in Block Letters]

\*Cash

herewith tender ----- Rs. .... (Rupees.....)

Cheque for

.....)/\*Securities of 6-1/4 per cent Loan, 1991 of the nominal value of Rs. .... (Rupees ..... ) and request that Securities of 10.75 per cent. Loan, 1996\*/11.00 per cent. Loan, 2001\*/11.50 per cent. Loan, 2006 (Second Series)\*/12.00 per cent. Loan, 2011 of the nominal value of Rs..... may be issued to me/us\* in the form of \*Stock Certificate/Credit to my/our\* S.G.L. Account.

2. I/We\* desire that interest be paid at.....

N.B.—The applicant should not write anything in this page.  
The entries will be filled in by the Receiving Office

	Initials	Date
Application No	.....	.....
N.B. Stamp	.....	.....
Cash Received on	.....	.....
Cheque Released on	.....	.....
Credited to Special	.....	.....
Current Account on	.....	.....
Examined	.....	.....
Cash Applications	.....	.....
Register posted	.....	.....
Brokerage Register	.....	.....
posted.	.....	.....
Indent No.	.....	.....
Scrip No.	.....	.....
Card No.	.....	.....
Voucher passed on	.....	.....

Signature(s) .....

Name(s) in full.....  
(Block letters)

Address .....

Dated the.....  
of October 1991

\*Delete what is not required.

## NOTES :

(1) Securities tendered for conversion should be endorsed with the words 'Pay to the President of India' over the signature of the applicant's, if they are in the form of Promissory Notes and the transfer deed on the reverse should be signed by him|them before a witness, if they are in the form of Stock Certificates.

(2) Separate applications should be made for each Loan and each form of subscription of the New Loan required.

(3) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.

(4) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not al-

ready registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application :—

- (i) Certificate of Incorporation|Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.
- (ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations|Bye-Laws of the Company|body.
- (iii) Certified copy of resolution in favour of the person's authorised to deal in Government Securities on behalf of the Company|body together with his|their duly attested specimen signature(s).

(5) Applicants should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest on Stock Certificate's issued to them.